प्रश्न 1. निम्न अवतरण कीन, किसे और कब कहता है यह लिखिए।
1. "में पीठपुर में रहती हूँ, जाता से खोजा हूँ।"
2. "आकाशी मूर्तियों को स्वागत में भरतखंड में अवयव कहरा।"
3. "नीलकंठ बधायकों को आय समेत विभिन्न आराम के यहाँ से क्यों निकाल दिया।"

प्रश्न 2. निम्न विवादों के बारे में कारण दीजिए।
1. सीपुरम में सभी साथय वह देखकर दंग रहे गए।
2. राजा रणजीतसिंह की नीलकंठ की आज सत्य पुरुषकार लगी।
3. नीलकंठ वासियों के नियम अवधारणा सि से संबंधित नियम हो थे।

प्रश्न 3. निम्न प्रश्नों के उत्तर का वक्य में दीजिए।
1. नीलकंठ ने राजा रणजीतसिंह को फिसक सारे से रोग दहन करना समझाया (बताया)।
2. कालपीवक ने किसने और कैसे मारा?
3. वीर हनुमान ने नीलकंठ का क्यों कहा?
4. भागीदारी की कैसी वृत्त होने की चाहिए?
5. राज्यांव राष्ट्रीय अवधारणा में क्यों पहुँचे?

प्रश्न 4. निम्न विवादों के विकारों में से सबसे विकार लिखिए।
1. नीलकंठ ने किसे किसे अवधारणा बन दिया?
2. का नीलकंठ द्वारा तय के लिए प्रभाव दे सकता गई जगह को विस्तार?
3. नीलकंठ द्वारा द्वारा तय के लिए प्रभाव दे सकता गई जगह को विस्तार?
4. नीलकंठ जा वास्तविक विदेश?
5. गोपालों और नीलकंठ का मिलन?
6. गणेश अंबानियों और नीलकंठ का मिलन?
7. गणेश अंबानियों और नीलकंठ का मिलन?
8. गणेश अंबानियों और नीलकंठ का मिलन?
9. गणेश अंबानियों और नीलकंठ का मिलन?

प्रश्न 5. निम्न विवादों के विकारों में से सबसे विकार लिखिए।
1. सबसे कारण की जिसे लिखी है सही चयन होते हैं। सबसे विकार सही होने पर ही गुण दिया जायेंगे,

प्रश्न 6. निम्न विवादों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।
1. सामग्री दिने से लाख कोतला की नीलकंठ ने ................. दिखाई।
2. रोंग का नाम ................. था।

(पत्र पत्रिका)
3. ................. सर्द नदी का उद्राम स्थान है।
4. नीलकंठ और सेवकार दो मिला।

विभाग-2: सलसंग बाचनमाल भाग-2 - प्रयोग आवृत्ति, जून 1997

प्रश्न.7. निम्न अवतरण किने, किसे और कब कहता है यह लिखित है।
1. ”हम राम को राम करने से कह उठाने में हार गये हैं।”
2. ”पत्र में अपने महाराज को प्रहुलद एवं जनक की उपन का सो था।”
3. ”हम लोग पूरा से चारी पुष्टि करके कारों धन लाते थे।”

प्रश्न.8. निम्न विवरणों के बारे में कारण दीजिए। (तो सीता तपस्त में)
1. बलभक किवी तालुदानवी किव के महाराज के मेहमान हुए।
2. मुसलमान स्वामी के बिग का दौरा दे कर उसका नाम मुहानद लाख में रखा।

प्रश्न.9. नीचे दिए गए वाक्यों में से किन वाक्य सही वाक्य को खंडकर रखकर उसके चंदर लिखें।

प्रश्न.- मायान नी अबतार मोरो... कौन्तित में बुध का धान करवाना।
18
1. चेलीले विविधाँ विविधारी, चालजे इंदौ। 2. पूरा करा पाप तारा तो जाने जाना। 3. दुर्ध लगे दैर्यान भ्रो, नहीं जा खतरा। 4. भागी ले भ्रम तारा भागा भागा। 5. कद तो विकार बेची बेची जाने सब बात।

प्रश्न.10. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।
1. मुंबई में चौबीस और अश्विन के समय निगुण स्वामी ने स्वामीनी से भग नियमित मिलने का क्या विवेचन किया?
2. महाराज ने लालुचा को बधा क्या?
3. अशाइ ने काशिनी महाराज के नितांत दर्शन कहाँ हुए?
4. महाराज के नितांत का शशक कितना कलालगण?

प्रश्न.11. निम्न में से किन्हें एक प्रवर्तक के बारे में 15 प्रश्न में दो कमेंट लिखिए। (ब्राह्मणनांक)
1. भक्तराज जीतुचा की नामकरण के प्रति भक्ति।
2. जेिाभा भाव।
3. अशाइ ने कलालगण की प्रतिक।

प्रश्न.12. नीचे दिए गए वाक्य सही है वा नहीं, यह लिखित कर, गलत वाक्य को सुधारकर लिखिए।
1. जागरण नव। भक्तराज की नामकरण में दोळी चाहिए हुए। बैठे थे।
2. देवीदाता का नाम धीरा ढूंढ़ा गोंड में हुआ था।
3. अशाइ महाराज ने ”निगुण स्वामी” को मुख्यता का दूत करवाया।
4. बर्दभन में मंदिर के लिए जोड़ने पड़े अपनी जमाने दी थी।

विभाग-3: निम्नविध

प्रश्न.13. निम्नलिखित फक्त किसी विविध पर करीब 30 वाक्यों में निम्नविध लिखिए।
1. सुधारणा का एक रहिल इलाज: राजस्थान।
2. नीलकंठ को पाठ्यान्वयन।
3. समाज में, ढुंढ़ा में मंदिरों की अति आलोचना है।

नोट: उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या बहुत पाना में प्रश्न और एक निम्नविध दिनांक 17 जुलाई, 2005 के दिन होनेवाली मुख्य परिस्थिति में भी पूरे जाने की संभावना है।